विदेशी विमानों को ईंधन भरने की सुविधा

694. **श्री रणजीत सिंह :** क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर विदेशी विमानों के लिए ईंधन भरने की सुविधायें उपलब्ध है ; और

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है तथा चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दिसम्बर, 1990 तक इससे कितनी धन-राशि एकत्र की गई ?

पेट्रोलियम और रसायन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) : (क) जी, हां ।

(ख) विदेशी जहाज आमतौर पर देश के निम्नलिखित हवाई अड्डों के माध्यम से उड़ान भरते हैं :--

1. बम्बई	7. गोआ
2. दिल्ली	8. त्रिवेन्द्रम
3. कलकत्ता	9. अमृतसर
4. मद्रास	10. त्रिची
5. हैदराबाद	11. अहमदाबाद
6. बंगलोर	12. पटना

विदेशी जहाजों को की गई विमानन टरबाइन ईंधन की बिक्री के जरिए चालू वित्तीय वर्ष के दौरान दिसम्बर, 1990 तक 318.25 करोड़ रुपए प्राप्त हुए हैं ।

विदेशी संस्थानों के तकनीकी सहयोग से कोयला उत्पादन का बढ़ाया जाना

695. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :**
श्री बलराम सिंह यादव :

क्या **ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कोयला उत्पादन में वृद्धि करने के लिए कोल इंडिया लिमिटेड ने कतिपय विदेशी संस्थानों के साथ समझौते किए है ;

(ख) यदि हां, तो चालू वर्ष के दौरान जिन-जिन देशों के साथ इस संबंध में समझौते किए गए हैं, उनके नाम क्या-क्या हैं ;

(ग) इन समझौतों के लागू हो जाने के परिणामस्वरूप देश में कोयले के वार्षिक उत्पादन में कुल कितनी वृद्धि होगी ; और

(घ) इन समझौतों को लागू करने के लिए कितनी अतिरिक्त धनराशि की आवश्यकता होगी ?

ऊर्जा मंत्री (श्री कल्याण सिंह कालवी) : (क) से (घ) कोल इण्डिया लिमिटेड ने अपनी कोयला खनन परियोजनाओं को नियमित किए जाने के लिए सोवियत संघ, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, आस्ट्रेलिया, पोलैंड तथा यूनाइटेड किंगडम के साथ सहयोग करार किए है । इन परियोजनाओं के पूरा हो जाने के बाद इन से 35.05 मिलियन टन प्रतिवर्ष कोयले का उत्पादन प्राप्त होने की संभावना है । क्रियान्वयाधीन परियोजनाओं का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है ।

चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कोल इंडिया लि० ने निम्नलिखित के साथ करार किया--- ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० की झांझरा परियोजना में शाफ्ट सिंकिंग में तकनीकी सहायता प्राप्त करने, तथा ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि० की लाचिट खानी खान में लोचदार रूफिंग तथा स्क्रेपरयुक्त चैम्बर प्रणाली की शुरूआत करने के लिए सोवियत संघ के साथ करार किया और नौर्दर्न कोलफील्ड्स लि० की बीना परियोजना में डिशेलिंग संयंत्र की स्थापना के लिए जर्मनी के साथ करार किया । इन करारों को क्रियान्वित किए जाने के लिए वार्षिक योजनाओं में तथा कंपनी के बजट में पर्याप्त वित्तीय व्यवस्था कर दी गई है ।

विवरण

कोल इंडिया लि० की विदेशी सहायता प्राप्त क्रियान्वयाधीन परियोजनाओं का ब्यौरा इस प्रकार है :—

देश	परियोजनाएं	क्षमता (मि०टन० प्रतिवर्ष)
सोवियत संघ	झाझरा, भूमिगत परियोजना	3·5
	खाद्दिया, ओपेनकास्क परियोजना नार्दर्न कोल फील्ड्स लि०	4.0
	सिधाई ओपेनकास्टजपरियोजना नार्दर्न कोलफील्ड्स लि०	4.2
फ्रांस	ईस्ट कटरास सब-लेवल केविंग, भारत कोकिंग कोल लि० भूमिगत परियोजना	0.90
	कोटाडीह भूमिगत परियोजना ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि०	1.30
एफ०आर०जी०	गोपालीचक हाइड्रो-माइनिंग भूमिगत परियोजना भारत कोकिंग कोल लि०	0.15
कनाडा	राजमहल, ओपेनकास्ट परियोजना ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि०	10.5
आस्ट्रेलिया	पिपरवार ओपेनकास्ट परियोजन सेंट्रल कोलफील्ड्स लि०	6.5
यू०के०	अमलोरी, ओपेनकास्ट परियोजना नार्दर्न कोलफील्ड्स लि०	4.0
	जोड़ :	35.05

Cooperation in the field of Aviation Industry between India and Soviet Union

696. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) whether it is a fact that India and Soviet Union are committed to strengthen and broaden cooperation in the field of aviation industry as per terms in the MOU recenly signed by both Governments;

(b) if so, what are the terms of reference and what are the areas in which cooperation are envisaged; and

(c) what are the estimated benefits to the Indian economy through this collaboration arrangement

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION (SHRI HARMOHAN DHAWAN): (a) to (c) A protocol was signed recently by the Indo-Soviet Working Group in New Delhi to strengthen and broaden cooperation in the field of civil aviation. The protocol provides for cooperation and